विश्व वाणी

समर्पण

Vol. 37 - Issue 5 | May 2024 | Rs. 10/-

प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार -
इसे कौन बोता है?
इसे कौन सींचता है?
इसे कौन बढ़ाता है?

May
2024

विश्ववाणी समर्पण

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, गुजराती, उड़िया, बंगला, कोक बोरोक व सौरा भाषा में प्रकाशित होती है। वार्षिक शुल्क 100 रू. है।

उत्तर भारत कार्यालयः
एफ–11, प्रथम मंजिल, विश्वकर्मा कॉलोनी
एम.बी रोड, नई दिल्ली – 110044
फोनः 0129–4838657
ई–मेलः vvnorthindia@vishwavani.org

प्रकाशन कार्यालयः
1.10.28/247, आनंदपुरम, कुशाईगुड़ा
ई.सी.आई.एल पी.ओ., हैदराबाद – 500062
फोनः 040–27125557,
ई–मेलः samarpan@vishwavani.org

विषय सूची

02 मनन के विषय

03 कार्यकारी निर्देशक...

07 आत्मिक गुणवत्ता में...

10 विशेष आकर्षण

15 नेटवर्क चेयरमैन...

23 प्रेयर नेटवर्क निर्देशक...

26 कार्यक्षेत्र के समाचार

भाई एमिल जेबासिंह के
मनन के विषय

- सेवकाई का अर्थ है हाथ में बाइबल,
  सेवक का अर्थ है मुँह में यीशु!
- बिना नम्रता के लोग कभी भी नहीं बोते हैं और बिना नम्रता के लोग कभी भी काम नहीं करते हैं
- जब लोग अपने वेतन पर ध्यान देकर बोते हैं तो यह एक संस्था है,
  जब लोग अपने पुरस्कार के बारे में सोचे बिना बोते हैं
  तो यह एक समाज है!
- समय बताएगा कि कार्यकर्ता चित्रित किया हुआ है
  या वास्तव में उसने यीशु के घावों को देखा हुआ है!
- जब लोग मांगने पर देते हैं, यह भीख है
  जब लोग बिना मांगे देते हैं, तब यंह दान है
- जब वचन बोया जाता है तो कलीसिया खड़ी होती है
  जब वचन को बिखेर दिया जाता हैं, तो शत्रुता पैदा होती है!
- बिना अनुग्रह के लोग नहीं बोते हैं,
  लोग बिना प्रेम के सींचाई नहीं करते!
- बिना पानी फसलें सूख जाती हैं
  बिना आंसु काम सूख जाती है

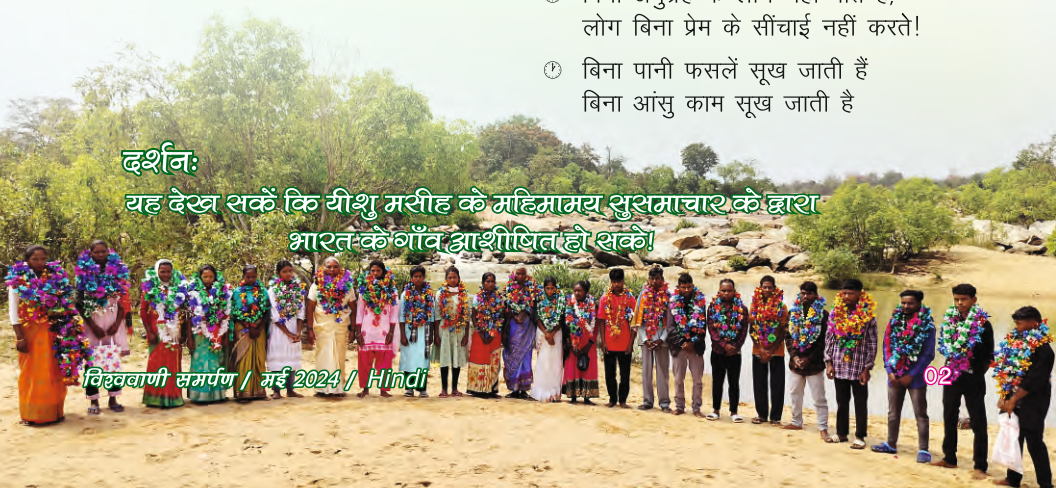

कार्यकारी निर्देशक की ओर से पत्र...

प्रियों, प्रभु यीशु मसीह के नाम में आपको नमस्कार।

जब भी मैं आपको स्मरण करता हूँ तो परमेश्वर की स्तुति करता हूँ:

फिलि.1:2–6 के अनुसार, जब मैं ने यह पत्र लिखना शुरू किया तो मुझे यीशु मसीह के प्रति आपका प्रेम, आपके प्रयास, उदार दान याद आयें। मैं परमेश्वर से यह प्रार्थना करता हूँ कि प्रभु परमेश्वर आपके परिवार को भरपूरता की आशीष दें, कि आपके बच्चों का भविष्य जिन्होंने परीक्षा दी है और उच्च कक्षाओं में कदम रख रहे हैं, उज्जवल हो, छोटे बच्चों के जीवन को सही मित्र मिले और जो शादीशुदा हैं उन्हें संतान की आशीष मिलें। मैं यह भी प्रार्थना करता हूँ कि उन्हें परमेश्वर की विशेष कृपा मिलें जो पदोन्नती और उपयुक्त नौकरियों की उम्मीद करते हैं। परिवार के सदस्यों को अच्छे स्वास्थ्य की आशीष मिले और परिवार के मुखिया की आय पर्याप्त हो। उन्हें इस विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि परमेश्वर उनके परिवार का नेतृत्व करते हैं और उन्हें कभी भी कमीं नहीं होगी। प्रभु उनके परिवार के प्रत्येक सदस्यों को सूरज की भीषण गर्मी से बचाएं और आपको सभी चीजों में संतुष्ट रहने में सहायता करें।

मसीह जो दृढ़ करता है:

मैं इस वित्तीय वर्ष की शुरूआत के दौरान प्रत्येक प्रांत के सभी डेवलपमेंट कार्यकर्ताओं को फिलि.4:13 पर ध्यान केंद्रित करने, प्रार्थना करने और सेवकाई के वित्तीय लक्ष्य के लिए योजना बनाने के लिए परमेश्वर की स्तुति करता हूँ। इस वित्तीय वर्ष का लक्ष्य 7000 गाँवों में सुसमाचार प्रचार करना है। स्थानीय विश्ववाणी प्रतिनिधिगण विश्वासीयों के घर–घर जाकर दौरा करेंगे। उनकी प्रार्थनाओं और वित्तीय सहायता के माध्यम से, कार्यकर्ता गाँवों तक पहुँचने और सुसमाचार प्रचार करने में सक्षम हैं। जो लोग दुष्ट आत्माओं के बधंन से बंधे होते हैं उनका उद्धार हो जाता है। अज्ञानता का अंधकार दूर हो जाएगा और सच्चाई की रोशनी जगमगा उठेगी। अत्यधिक आन्नद और समृद्धि उमड़ेगी। जो लोग पाप से पश्चाताप् करेंगे और उनके नाम स्वर्गीय पुस्तकों में लिखे जायेंगे और आप सदैव सम्मानित किये जायेंगे।

सुसमाचारीय कार्य के लिए परमेश्वर सहायक है:

1. कार्यक्षेत्र की विविधता

यीशु ने मत्ती 13:1:9 में कहा है कि सेवकाई विभिन्न प्रकार के होते हैं। प्रेरित पौलुस ने इफिसुस को लिखे अपने पत्री में 5 प्रकार की सेवकाई के बारे में बात की है 4:11–13। एक किसान जमीन को जोतता है, दूसरा बीज बोता है। पौधे को पानी तो कोई और देता है लेकिन उसे बड़ा तो परमेश्वर ही करता है। जब पौलुस कलीसिया की तुलना विभिन्न अंगों वाले व्यक्ति के शरीर से करता है, तो वह बहुआयामी दृष्टिकोण को महत्व देता है।

विश्ववाणी सेवकाई के माध्यम से हम बहुआयामी स्तर पर काम करते हैं। लेकिन हमारा मुख्य उदेश्य भारत के सुसमाचार से वंचित गाँवों में सुसमाचार पहुँचाना है।

2. एकता के उद्देश्य

हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि हम जो भी सेवकाई करते हैं, आत्माओं की कटनी का हिस्सा है। प्रेरिता पौलुस, अप्पुलोस और पतरस के बीच कभी भी प्रतिस्पर्धा नहीं थी। बल्कि उन्होंने यीशु मसीह के नेतृत्व में अपना कार्य को पूरा किया। यद्यपि सेवकाई में विभिन्न पहलू थे, परन्तु एक ही उद्देश्य और आत्मा में एकता थी 1कुरि.3:7:10।

विश्ववाणी के 9 विभिन्न विभागों में सुसमाचार प्रचार कार्यकर्ता, प्रार्थना समूह के अगुवेगण और स्वैच्छिक प्रतिनिधि एक ही उद्देश्य के साथ काम करते हैं। हम सुसमाचार का प्रचार करने के लिए विभिन्न कलीसियाओं और संस्थाओं के अगुवागणों के साथ हैं।

3. आत्मा में नम्रता

हमें सुसमाचार प्रचार करने में व्यक्तियों के सहयोग की आवश्यकता है। परन्तु वे सब जो यह भूल जाते हैं और इन्कार करते हैं कि परमेश्वर ही है जो इसे बढ़ाता है, घमण्डी हैं। मनुष्यों को वह घमंड नहीं करना चाहिए जो परमेश्वर के कारण है। इंसान को जो वेतन मिलना चाहिए वह परमेश्वर देता है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि परमेश्वर हमारे बारे में क्या कहते हैं? क्या वह कहते हैं, शाबाश, अच्छे और वफादार दास!

अब भी जो काटता है वह मजदूरी पाता है और अन्नत जीवन के लिए कटनी काटता है, ताकि बोनेवाला और काटने वाला एक साथ आन्नदित हो सकें (यूहन्ना 4:36)। "हम अयोग्य दास हैं, हमने केवल अपना कर्तव्य निभाया है" (लूका 17:10)। उसे महान बनना ही होगा, मुझे कम होना चाहिए"(यूहन्ना 3:30)। हालाँकि हम बोते हैं और आप सींचते हैं, यह प्रभु यीशु मसीह, जो कटनी का स्वामी है, इसे बढ़ाता है!

सेवकाई दर्शन कार्यान्वयन में हमारा सहयोग करें:

1. स्वैच्छिक प्रतिनिधि, प्रार्थना समूह प्रभारी:

1. हमें ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो अपनी मसीही जीवन में प्रार्थना और बाइबल पढ़ते/अध्ययन करते हैं।

2. वह व्यक्ति विशेष जाति, पंथ, संप्रदाय और कलीसिया के देखे बिना सेवकाई में भाग लेना आवश्यक है।

ग. आप स्वेच्छा से एक साथ प्रार्थना कर के, अपने क्षेत्र में सेवकाई सहभागीयों के पास जाकर, मासिक भेंट और दान एकत्र करके और उन्हें रसीदें देकर और विश्वासियों को आत्मिक रूप से सहयोग देकर सेवकाई का समर्थन कर सकते हैं।

3. हम ऐसे युवा पुरूषों और महिलाओं का स्वागत करते हैं जो स्वेच्छा से दर्शन कार्यान्वयन योजना में हमारे सहभागी हो सकते हैं।

2. सेवकाई प्रभारी

1. आप निःशुल्क विश्ववाणी बॉक्स को प्राप्त करके इस सेवकाई का हिस्सा बन सकते हैं और आप सेवकाई के लिए प्रतिदिन प्रार्थना कर सकते हैं और छःह महीने में एक बार अपने दान बॉक्स में जमा राशि के माध्यम से हमारा सहयोग कर सकते हैं।

2. आप वार्षिक सदस्यता के रूप में 100 रूपये दान देकर समर्पण पत्रिका का सहयोग कर सकते हैं।

3. आप हर महीने 4000 रूपये देकर एक गाँव गोद लेकर और सुसमाचार बाँटने में योगदान दे सकते हैं।

4. आप उत्तर भारत में आराधना भवनों के निर्माण के लिए उदारता पूर्वक दान कर सकते है और उनकी आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

5. आप नये विश्वासियों और उनके परिवारों को विश्ववाणी सेवकाई के लिए प्रार्थना करने और सेवकाई का सहयोग करने के लिए एकजुट कर सकते हैं।

3. पूर्णकालिक डेवलपमेंट कार्यकर्ता

1. हमें ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिन्होंने अपनी 12वीं कक्षा पूरी कर ली है और 30 वर्ष से कम उम्र के हैं, जिन्होंने यीशु मसीह को अपने जीवन में व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है और जिनके पास पूर्णकालिक सेवकाई की बुलाहट है और जो परमेश्वर का काम ईमानदारी से करने के इच्छुक हैं।

2. हमारा लक्ष्य क्षेत्रीय कार्यकर्ता, भारतीय सहयोग और प्रार्थना योद्धाओं की सहायता से उन गाँवों में आराधना भवन की घंटियों की आवाज को सुनाना है, जिन्होंने एक बार भी यीशु के बारे में नही सुना है।

3. यह अति आवश्यक है कि उम्मीदवार को समूह के साथ काम करने, परिश्रमी और यीशु मसीह के लिए आत्माओं को जीतने की इच्छा रखने वाला हो।

4. सहकर्मियों, सेवकाई के प्रतिनिधियों और कलीसियाओं के प्राचीनों के साथ अच्छा संबंध बनाए रखना भी आवश्यक है। इसके अलावा उसे ईमानदारी से एकत्र किए गए दान को प्रधान कार्यालय में जमा करना होगा।

4. दर्शन सहित कलीसिया

1. आराधना विधि के दौरान क्षेत्रीय सेवकाई के बारे में अवसर देना

2. "उत्तर भारत कार्य क्षेत्र भ्रमण" के माध्यम से युवाओं को सेवकाई में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

3. बोझ के साथ सेवकाई कार्य के लिए प्रार्थना करना और मासिक रूप से सेवकाई का सहयोग करना।

4. अपने कलीसिया की ओर से उस क्षेत्र में एक आराधना भवन का निर्माण करना जहाँ पर कोई आराधना भवन नहीं हैं।

5. युवाओं को व्यक्तिगत प्रचार में भाग लेने और स्वयं को पूर्णकालिक सेवक के रूप में समर्पित करने के लिए प्रोत्साहन करना।

मसीह में प्रियजनों, यदि परमेश्वर आप में उसकी द्वारा दी गई सुसमाचार प्रचार का महान आदेश का बोझ है तो कृपया अवश्य हमसे संपर्क करें।

नये एजा दुर्गम गाँवों तक पहुँचने के लिए निकल पड़े हैं

गुजरात और आन्ध्र प्रदेश के प्रशिक्षणों केंन्द्रों से 45 युवा कार्यकर्ताओं ने परमेश्वर के महान अनुग्रह से अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और 225 नये गाँवों तक पहुँचने जा रहे हैं। हमें ऐसे कलीसियाओं और परिवारों की जरूरत है जो हर महीने 4000/– रूपये भेजकर अपने गाँवों को गोद ले सकें। कृपया अगले चरण में उत्तर भारत, उत्तर–पूर्व भारत और ओडिशा में कक्षाएं शुरू करने के लिए प्रार्थना करें।

विश्ववाणी बच्चों की ग्रीश्मकालीन बाइबल कक्षाः

हम 26,504 बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन बाइबल कक्षा कार्यकर्म संचालित करने जा रहे हैं जो 3277 आराधना समूहों में भाग ले रहे हैं। हमें प्रति बच्चों के लिये 150/– रूपये का औसत खर्च रखते हुए बच्चों के लिए किताबें, लेखन सामग्री और भोजन उपलब्ध कराने के लिए वी.बी.एस आयोजित करने के लिए 40 लाख रूपये की आवश्यकता है। कृपया इस सेवकाई का सहयोग करने के लिए आगें आयें।

चुनावः

एक जिम्मेदार नागरिक और विश्वासियों के रूप में हमारी प्रार्थना है कि परमेश्वर हमें ऐसा अगुवा प्रदान करें जिनके पास यूसुफ जैसा हृदय हो। परमेश्वर जिसने मौर्दकै और एस्तेर की प्रार्थनाएँ सुनी, वह हमारी प्रार्थना का भी अवश्य उत्तर देगा। यद्यपि हम उपवास करते हैं और आँसूओं के साथ प्रार्थना करते हैं और 4 जून तक चुनाव परिणामों की प्रतीक्षा करते हैं। आइए, तब–तक हम परमेश्वर से उनकी पूर्ण इच्छा पूरी करने के लिए प्रार्थना करते रहें।

अभिवादन एवं धन्यवादः

1. मैं उन सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ जो विश्ववाणी सेवकाई के लिए प्रार्थना करते हैं, और सहयोग करते हैं
2. मैं कलीसिया के सभी पासवानों, अगुवों, प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने उपवास के दिनों (Lenten Season) में अपने आराधना भवनों में सेवकाई के दौरान परमेश्वर के वचन को बाँटने का अवसर दिया।
3. मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने निर्माणाधीन आराधना भवनों, कार्यालयों और सेवकाई संबंधित जरूरतों के निर्माण के लिए अपना बहुमूल्य दान दिया।

प्रभु आपको आशीषित करें। सेवकाई के लिए प्रार्थना करना जारी रखें। हम भी आपके लिए प्रार्थना करते रहेंगे।

"इस प्रकार सारे यहूदिया और गलील और सामरिया में कलीसिया को चैन मिला, और उसकी उन्नति होती गई, और वह प्रभु के भय और पवित्र आत्मा की शान्ति में चलती और बढ़ती गई"। प्रेरितों के काम 9:31

12.04.2024
चैन्नई – 53

प्रभु की सेवकाई में आपका भाई
रेव्ह. डॉ. डब्लयू. विल्सन ग्नानाकुमार

आत्मिक गुणवत्ता में बढ़ते जायें

प्रियों

एक और नये अंक के साथ मई माह में आप तक पहुँच रहे हैं, यहाँ पर इस अंक में देखेंगे कि किस प्रकार प्रभु यीशु का सुसमाचार कार्य करता है, चूंकि हमारा प्रभु यीशु जीवित है, इसीलिये उनका जो सुसमाचार बाँटा जाता है, वही अंकुरित होकर बढ़ता जाता है, इसका एक सटीक उदाहरण प्रेरित पौलुस ने कुरन्थ की कलीसिया को समझाते हुए इस प्रकार दिया "मैंने लगाया, अपौल्लुस ने सींचा, परन्तु परमेश्वर ने बढ़ाया" (1कुरन्थ 3:6), प्रियों पौलुस को यह वर्णन क्यों देना पड़ा? ताकि सुसमाचार की वास्तविकता सब लोगों पर प्रकट हो, कलीसिया में उस समय कुछ मतभेद चल रहे थे, जीहाँ, कलीसिया एक आत्मिक देह है (रोमियों 12:5), जिसकी संरचना प्रभु के आत्मा के द्वारा होती है, (इफिसियों 2:20) अर्थात् सुसमाचार का सुनाया जाना यह प्रभु यीशु मसीह के द्वारा दिया गया कार्य है, जिसका लक्ष्य कलीसियाओं की स्थापना होना है, हम पौलुस की सुसमाचार सेवा का वर्णन प्रेरितों के काम नामक पुस्तक में पढ़ते हैं, जहाँ–2 वह गया सुसमाचार सुनाते हुए कलीसियाओं को स्थापित करते चला गया, तथा जहाँ जहाँ उसने कलीसिया स्थापित की, वहाँ पर प्राचीनों को कलीसिया में नियुक्त करता गया तथा कलीसियाओं को स्थिर करता चला गया, सुसमाचार का प्रचार किया जाना, कलीसियाओं की स्थापना होना, प्राचीनों का नियुक्त किया जाना, तथा कलीसियाओं को प्रभु में, आत्मिक जीवन में, आत्मिक चालचलन में, प्रेम में, वचनों में, विश्वास के जीवन में स्थापित होते रहना है। क्यों कभी कभी सेवाओं में व कलीसियाओं में मतभेद उभरते हैं, उसके पश्चात गड़बडियाँ होती है?

प्रियों जैसा मैंने पहले कहा मंडली का कार्य, आत्मा का कार्य है, किन्तु जब आत्मा की जगह शरीर अर्थात् मनुष्य कार्य करने लगता है, तो गड़बड़ियाँ शुरू होने लगती है। ऐसी परिस्थितियों में पौलुस ने कुरन्थ की कलीसिया को लिखकर यह समझाया है तीन बातें विशेष कर यहाँ पर सामने आती हैं।

- *कलीसिया रोपण सुसमाचार द्वारा*
- *कलीसिया रोपण में सहकर्मी दल*
- *कलीसिया रोपण द्वारा प्रभु की महिमा*

पौलुस प्रेरित स्वयं के विषय में लिखता है कि मैं यीशु मसीह का दास ... सुसमाचार के लिये अलग किया गया हूँ (रोमियों 1:1), वह स्वयं को सुसमाचार के लिये ऋणी समझता है, (रोमियों 1:14), फिर वह कहता है कि मैं सुससमाचार से लजाता नहीं हूँ, इसीलिये कि उसमें पहले यहूदी, और फिर युनानी के लिये उद्धार के निमित परमेश्वर की सामर्थ है (रोमियों 1:16)। यह कुछ बुनियादी बातें हैं जो हमें सुसमाचार कार्य में अग्रसर होने में सहायक होती है, जब स्वयं को पहचान लेते हैं, परन्तु जब तक संसार के जैसे थे तो पाप का गुलाम व उसके बन्धनों में जीते थे, किन्तु जब मसीह यीशु को पा लिया, उन्हें ग्रहण कर लिया, शरीर से आत्मा में आ गये, तो आत्मिक जन बन गये। न केवल हम बचाये जाते हैं, बल्कि सुसमाचार के लिये अलग किये जाते हैं। प्रियों हमें मात्र प्रथम कक्षा में रहकर सदैव उतना ही नहीं रहना है, बल्कि इन आत्मिक सीढ़ियों को चढ़ते हुये उद्धार के कार्य में सुसमाचार द्वारा बढ़ते जाना है, पौलुस के मन की अभिलाषा जानिये ...कि वे सब उद्धार पाएँ, (रोमियों 10:1), जी हाँ इस मन को व्यर्थ बातों से, व्यर्थ कार्यों से, व्यर्थ गपशप से, अलग रखें। यह मन मात्र आत्मा का मंदिर बना रहे, इस मन से आराधनायें व प्रार्थनायें उमड़ती रहनी चाहिए। पौलुस की सेवा कलीसियाओं को स्थापित करना था। इसलिये आत्मा के द्वारा पौलुस प्रेरित कार्य करते हुये कलीसियाओं का रोपण करता चला गया, अपनी बुलाहट को पहचानते हुये, प्रभु की सामर्थ को प्राप्त करते हुये, उद्धार के कार्य के लक्ष्य में रहकर पवित्र आत्मा पौलुस व अन्य प्रेरितों के साथ था, आज हमें यह अनुग्रह प्राप्त हुआ है; ध्यान रखें आप आज कहाँ खड़े हैं? क्या आप एक आत्मिक जवान हैं? प्रभु के लिये बुलाहट पाकर आगे बढ़ें, क्या आप नौकरी पेशा व अन्य कार्यों में व्यस्त हैं तो आप आगे बढ़कर सुसमाचार के लिये एक नहेम्याह होकर कार्य करें, क्या आप कहीं जाने में असमर्थ हैं? उम्रदराज हैं? प्रार्थना के जरिये उनको अपना हाथ दें उन्हें जों दूर्गम क्षेत्रों में सेवारत हैं तथा जहाँ नयी उभरती कलीसियाई क्षेत्रों में सेवारत कार्यकर्ता, जो परीक्षाओं का सामना कर रहे हैं।

फिर हम पढ़ते हैं कि यह एक साथ मिलकर कार्य (टीम वर्क) करने का दल है, पौलुस के शब्दों में "मैंने लगाया, अपुल्लोस ने सींचा व परमेश्वर ने बढ़ाया " (1कुरि. 3:6) जब कुरन्थ के लोग आपस में बँट रहे थे, कोई कहता है मैं पौलुस का हूँ कोई अपुल्लोस का हूँ तो पौलुस ने उनसे सख्ती से बात की, क्या तुम शरीर के नहीं (3:3), क्या तुम मनुष्य नहीं (3:4), यदि आज के समय में जब ऐसी परिस्थितियाँ कलीसियाओं में आती है, तो उनके बीच में कुछ लोग अपना फायदा उठाकर अपने अपने झुण्ड व कलीसिया खड़ी कर लेते हैं, क्या यह परमेश्वर की आत्मा का कार्य है? या सुसमाचार के द्वारा आनेवालों के लिये असमंजस्य की स्थिति? प्रियों प्रभु ऐसा अनुग्रह दें कि कलीसियायें व विश्वासी आत्मिक गुणवता में बढ़ें। तो सुसमाचार कार्य व कलीसिया का कार्य इस पर किसी एक व्यक्ति का एकाधिकार नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रभु के चुनों हुओं के द्वारा संचालित एक अद्‌भूत कार्य है, यहाँ पर भी कभी कभी लोग दूसरों के साथ नहीं चल पाते है, इसका यह मतलब है कि मन का परिवर्तन नहीं हुआ, आत्मा कार्य नहीं कर पा रहा है हम आत्मा के साथ सहयोग करेंगे तो वह हम में व हमारे मध्य में कार्य करेंगे। मसीह के सहकर्मी बनकर सुसमाचार का कार्य जारी रखना है।

फिर पौलुस कहता है परमेश्वर ने बढ़ाया है, न लगाने वाला कुछ है, न सींचने वाला कुछ है, परमेश्वर ही सबकुछ है, अर्थात् अपने आप को शून्य करता है, आगे स्वयं को मजदूर कहकर पुकारता है, किन्तु महिमा आदर मात्र अपने प्रभु परमेश्वर को देता है। हाँ प्रियों हम जो इन अन्तिम दिनों में प्रभु के सहकर्मी हैं, कहीं पर कभी घमण्ड न करें, जब लोग तारीफ करें सम्मान व आदर करें, वहाँ पर सावधान होकर डरते व काँपते हुये अपने प्रभु की महिमा करें क्योंकि वही देह का सिर है और सारी महिमा आदर गौरव के योग्य है तो इस प्रकार हमारा प्रभु यीशु का नाम सर्वदा ऊँचा रहे, व उसकी प्रभुता के तले वह वास करें।

प्रभु का अनुग्रह आपके उपर बहुतायत से हो तथा सर्वदा उसकी आत्मिक गुणवत्ता में बढ़ते जाएँ, आमीन!

नई दिल्ली
20.04.2024

प्रभु में आपका भाई
आनन्द सिंह

प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार -
वह जो बोता है, महत्वपूर्ण है
वह जो सींचता है, बहुत ही महत्वपूर्ण है
वह जो इसे बढ़ाता है, अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।

प्रियों!
जिन्होंने अपने आप को सब स्थानों के लोगो को सुसमाचार सुनाने के लिए अपने हृदय को समर्पित किया है। वह प्रभु यीशु मसीह में आनंदित है। मैं उपरोक्त शीर्षक के साथ प्रभु का वचन आपको पहुचाऊँ।

> लोग जो प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को जानते हैं वे उसके महत्व, अर्थ अैर एक मनुष्य के जीवन में आने वाले महान आशीष को भी समझ लेते हैं और वे सुसमाचार को प्रचार करते हैं।
> लोग जो सुसमाचार का प्रचार करते है, पवित्र शास्त्र बाइबल इसे दो भागों में बाँटती है।
> पहला – लोग जो बोते हैं वे महत्वपूर्ण है
> दूसरा – लोग जो पानी सींचते हैं, वे बहुत ही महत्वपूर्ण है।

हाँ, लोग जो बोते हैं, उसका सुसमाचारीय सेवा में बहुत महत्वपूर्ण है।

लोगों के महत्वपूर्ण होने का क्या तात्पर्य है?
लोग जो महत्वपूर्ण चीजों को महत्व देते हैं
वे परमेश्वर की दृष्टि में महत्वपूर्ण हैं।

> जब पौलुस कहता है, मैंने बोया (1कुर. 3:6)
> वह जानता था कि सुसमाचार की सेवा में परमेश्वर ने बोने की सेवा दी है।
> वह अपनी बुलाहट को स्पष्ट रीति से समझ लिया।
> परमेश्वर पौलुस के लिए कहता है, वह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है (प्रेरितों के काम 9:15,16)

महत्वपूर्ण लोगो के बीच यह एक महत्वपूर्ण संदेश है।
संदेश क्या है?
"मनुष्य एक पापी है, हमें एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता है।
वह उद्धारकर्ता यीशु मसीह है।"
मनुष्य जाति के लिये यह संदेश महत्वपूर्ण है।
हो सकता है कि संसार की दृष्टि में यह कोई महत्व नहीं रखता है।
बहुत सारे लोग यह कहते हुए विरोध करते हैं कि मनुष्य को हम "पापी कैसे कह

सकते हैं?
बहुत सारे लोग केवल प्रभु यीशु ही उद्धारकर्ता है को सुनकर आपको गुस्सा दिलायेंगे।
मनुष्य स्वयं को तब तक पवित्र या संत नहीं कह सकता,
जब तक उसमें बुरे विचार मुँह में गलत शब्द उनकी दृष्टि में कामुकता,
बुरे चरित्र और गलत व्यवहार उसके अपने विवेक को कायल करेगी।

> पवित्र शास्त्र बाइबल रोमियों 3:12 कहती है
> सब भटक गये हैं, सब के सब निकम्मे बन गये,
> कोई भलाई करने वाला नहीं है, एक भी नहीं,
> इसी के साथ बाइबल बतलाती है कि प्रभु यीशु मसीह
> इस दुनियाँ में पापियों को छुड़ाने के लिए आया।
> लोग जो इस रहस्य को जान चुके हैं और जिन पर उनका प्रकाशन हुआ है,
> वे यह कहते हुए अपने पाँव को आवश्क स्थानों में ले जायेंगे,
> कि मैं प्रभु के अनुग्रह का प्रचार व स्तुति करूंगा (यशायाह 6:7)

लोग जो नम्रता के साथ "अविनाशी बीज" बोते हैं
वह यहूदियों के लिये यहूदी बन जाता है और यूनानियों के लिये
यूनानी बन जाता है,
वह महत्वपूर्ण है
यह कोई मायने नहीं रखता है कि संसार उन्हें देखता नहीं है।
लेकिन स्वर्ग में स्वर्गदूत भी ध्यान से देखने की लालसा रखते हैं (1पतरस 1:12)

पवित्र आत्मा जिस स्थान में जाने का निर्देश देता है, वे जाते हैं
और प्रत्येक दरवाजे को खटखटाते हैं और आमने – सामने होकर महत्वपूर्ण संदेश को बाँटते हैं।
पवित्र आत्मा, जंगल व पहाड़ी क्षेत्र मरूस्थल शहरी ग्रामीण
व द्वीपों के समान जहाँ भी
मार्गदर्शन देती है, वे उस स्थान में तुरन्त ही चल पड़ते हैं।
वे समय व वातावरण को नहीं देखते हैं और अपने लिये कभी भी भोजन के बारे में नहीं सोचते हैं।
वे अपने बच्चों के लिए स्कूल, बाजार दवाई सम्बंधी सुविधा, सड़के व पेय जल के बारे में कभी भी विचार नहीं करते हैं।
वे उन्हें स्वीकार या तिरस्कार करेंगे, उसके बारे में भी
वे कभी विचार नहीं करते हैं।
पवित्र आत्मा की आवाज को सुनकर वे तुरन्त ही चल देते हैं।
"जाओ मैं तुम्हें दूर – दूर तक भेजूँगा " (प्रेरितों के काम 2:22)
हाँ उन्होंने बोया,
लोगों के हृदयों को उन्होंने कायल किया,

इसलिए वे महत्वपूर्ण हैं।
उन्होंने हारून को बुलाया, इसलिए वे महत्वपूर्ण हैं।
यशायाह के तरह उन्होंने परमेश्वर की आवाज को सुना
इसलिए वे महत्वपूर्ण हैं।
प्रियों लोग जो बोने के लिये जाते हैं, वे जवान है,
बारह चेलों के बीच
पतरस के अलावा जितने भी चेले वे सब 30 वर्ष से कम उम्र के थे।
उनके पास उच्च शिक्षा नहीं थी, वे सब अनपढ़ थे
लेकिन वे सब प्रभुओं के प्रभु के लिए महत्वपूर्ण थे।

सुसमाचारीय सेवा में जो लोग सींचते हैं वे बहुत महत्वपूर्ण है।

तब (निर्गमन 17:8–13)
यहोशू अमालेकियों के मध्य इस्राएलियों के लिए खड़ा हुआ
व लड़ाई के मैदान में जाकर आनेवाले मसीह के बीज को बोया।
मूसा, हारून और हूर तीनों अपने आसूँओं के माध्यम से यहोशू के लिये पानी सींचा।
लेकिन अन्य तीन लोग भी काफी महत्वपूर्ण हो गये,
क्यों?
जब उन्होंने पानी सींचा तब यहोशू जीतने में सक्षम हुआ।
जब वे पीछे थे, तब यहोशू भी पीछे खड़ा हो गया,
पौलुस ने बोया– वह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
अपोल्लूस ने सींचा – वह भी बहुत ही महत्वपूर्ण है।
"अपौल्लो" का तात्पर्य है वह जो नाश करता है।
लेकिन पवित्र आत्मा ने पौलुस के लगाये हुए बीज पर पानी सींचने के लिए बुलाया।
पौलुस ने जो कहा, उसे सही रूप समझना कठिन था (2पतरस 3:16)
अपौल्लुस में वह योग्यता थी कि वह कठिन बातों को आसानी से वर्णन कर सकता था।
पौलुस जहाँ भी गया उसने पौलुस के संदेश का प्रचार किया,
पौलुस 1 कुरिन्थियों 3:6 में स्पष्ट करता है कि अपौल्लुस कोई मनुष्य नहीं था,
उसके बारे में बातें करना व्यर्थ है, वह पौलुस की बढ़ती हूई सेवा को भी प्रभावित नहीं करता था।
अपौल्लुस फसल को नाश करने वाला नहीं था।
उसने बीज को बढ़ने के लिए पानी सींचा,
इसलिए वह अत्यंत ही महत्वपूर्ण है।

– यहोशू के द्वारा फसल लगायी गयी,
लेकिन तीस व्यक्तियों के द्वारा उसे सींचा गया,

– पौलुस ने जो फसल लगायी, उसे अपौल्लूस व तीस व्यक्तियों के द्वारा सींचा गया
रोमियों के 16 अध्याय में उनमें से कुछ लोगों के नाम लिखा है!
वे सब बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। इस अध्याय में सब की चर्चा की गयी है।
फीबे, प्रिस्का, अक्किला भी पौलुस की सेवा को बढ़ाने में पानी सींचा।
इनमें उनका कुछ महत्वपूर्ण सहयोग था।
पौलुस के लिए इन्होंने अपना जीवन को दे दिया (रोमियों 16:4)
ये सब बहुत ही महत्वपूर्ण है।
प्रभु यीशु के शुभ संदेश में, वह जो बोते हैं, महत्वपूर्ण है,
वह जो सींचते हैं काफी महत्वपूर्ण है लेकिन

परमेश्वर जो हमें बढ़ाता है वह अति उत्तम है।
वह जिसने कहा " मुझसे अलग होकर तुम कुछ नहीं कर सकते। " (यूहन्ना 15:5)
इसलिए वह सर्व श्रेष्ठ व्यक्ति है।

प्रेरितों के काम 4:12 कहता है कि किसी दूसरे के द्वार उद्धार नहीं, केवल उसी के द्वारा उद्धार है,
इसलिए वह अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
हमने इस अपाहिज व्यक्ति को 'अपनी सामर्थ या भक्ति से' नहीं चलाया
यीशु के नाम ने में यह हो जाता है– इसलिए
वह अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है!
उसके पास इस पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का भी अधिकार है (लूका 5:24)
इसलिए वह अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
इस सत्य के विरोध में कुछ नहीं कर सकते हैं (2 कुरिन्थियों 13:8)

इसलिए वह अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
भजन संहिता 127:1 पद में भजनकार कहता है कि,
यदि घर को यहोवा न बनाए तो उसके बनाने वालों का परिश्रम व्यर्थ होगा
इसलिए वह अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
स्वर्ग में यह घोषणा की गयी है कि
" हे यहोवा मैं जान गया हूँ कि मनुष्य का मार्ग उसके वश में नहीं है,
मनुष्य चलता तो है, परन्तु उसके डग उसके अधीन नहीं है। (यिर्मयाह 10:23)
इसलिए वह अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
पौलुस ने स्वयं कहा कि – यह मनुष्य की चाहत या प्रयत्न पर निर्भर नहीं करता है, बल्कि दया करने वाले परमेश्वर की बात है। (रोमियों 9:16)

इसलिए प्रभु यीशु सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति है।
पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा अति महत्वपूर्ण व्यक्ति है।
उसने कहा मैं ऐसाव से घृणा करता हूँ, क्यों?
उसने कहा मैं याकूब से प्रेम करता हूँ, क्यों?

कई गलतियों के बावजूद भी याकूब
हृदय से परमेश्वर के
नजदीकी में आने का इच्छुक था,
लेकिन ऐसाव में ऐसा नहीं था,
याकूब जो आशीष के लिए परमेश्वर से
लड़ा लेकिन ऐसाव अपने लिए लड़ा।
विश्वासयोग्य के लिए
प्रभु विश्वास योग्य है,
निष्कलंक के लिए वह निष्कलंक है,
गरीबों के लिए गरीब और चतुर को वह
समझ लेता है
प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार को कौन
बोता है?
वे जिनके हृदय में प्रभु यीशु का नाम
अंकित है।
कौन है जो सींचता है?

लोग जो अपने सम्पूर्ण हृदय से प्रेम
करते हैं और
उनका पोषण करता है जो पूर्णकालीन
सेवक, पास्टर,
प्रचारक, और आत्मनिर्भर सेवक के रूप
में सुसमाचार का प्रचार करते हैं।
दबोरा, जिसका हृदय इस्राएल के गाँवों
के लिए बिल्कुल टूट गया था।
वे जिनका हृदय भारत के गाँवों में सेवा
के लिए टूटा है,
उन्होंने गाँवों को गोद लिया है।

प्रियों,
यदि आप प्रभु यीशु मसीह के
सुसमाचाार में महत्वपूर्ण
और बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति बनना
चाहते हैं
तो यीशु मसीह की इच्छा से आप व
आपका परिवार सर्वश्रेष्ठ होगा।
धनवान से भी धनवानों के रूप में
आपका भाग गिना जायेगा। आमीन्

प्रार्थना

सर्वशक्तिमान परमेश्वर, आप सब कुछ
जानते हैं,
सब कुछ आपके पास हैं।
इस दुनियाँ में हमारे समान कितनी
पीढ़ियाँ आयी और जा चुकी है,
यह केवल आप ही जानते हैं,
हम इस संसार में कितने दिनों तक रहेंगे,
यह केवल आप ही जानते हैं,
प्रभु आपने जो कहा; मैं जिससे प्रेम
करना चाहता हूँ,
उसे मैं प्रेम करूँगा।
जो इस प्रार्थना को पढ़ते हैं
प्रभु, हम उन सब के लिये
प्रार्थना करते हैं कि
आपका अनुग्रह हम सब पर हो।
जबकि हम कई बार जान बुझ कर
गलती करते हैं,
फिर भी हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि
प्रभु आपका अनुग्रह हम पर हो,
इस पृथ्वी और आकाश में सबसे
महत्वपूर्ण नाम प्रभु यीशु के नाम से
हमें आप के साथ साथ अच्छे स्वास्थ्य,
सामर्थ और जीवन, कार्य में विजय दें।
पवित्र आत्मा के द्वारा मन में आनन्द,
आपके संगति में आनन्द की आशीष,
परिवार में बच्चे की आशीष,
बच्चों के बीच एकता, उनका आशीषमय
भविष्य,
हमारे घरों के आसपास आपके स्वर्गदूतों
द्वारा सुरक्षा,
जब हम बाहर आते जाते हैं तो आपकी
दिव्य उपस्थिति और सुरक्षा
हमारे साथ हो,
कृपया हमें और हमारे परिवार के पीढ़ियों
के लिये भी अपना मार्गदर्शन दें।
हमारी प्रार्थना सुनने के लिये हम आपकी
स्तुति और प्रशंसा करते हैं– आमीन!

नेटवर्क चेयरमैन की ओर से...

विश्ववाणी समर्पण पत्रिका प्राप्त करने वाले और उसे ध्यानपूर्वक पढ़ने वाले तथा उसके दर्शन/उद्देश्य के लिए प्रार्थना करने वाले प्रिय भाईयों एवं बहनों को पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह जो उद्धारकर्ता हैं, की ओर से आपको अनुग्रह और शांति मिले।

मैं प्रभु को यह उद्घोषणा करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देता हूँ कि जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से मणिपुर तक यीशु मसीह ही उद्धारकर्ता है (प्रेरितों के काम 5:31)।

मैं यहाँ उत्तर भारत अर्थात जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों की सेवकाई को आपके साथ बाँटने के लिए आया हूँ।

राज्यों के अवलोकन...

झेलम, चिनाब और रावी पहाड़ों, घाटियों और क्षेत्रों में बहती हैं जो जम्मू कश्मीर की सीमाएँ हैं। 1 करोड़ 22 लाख लोगों वाले 20 जिले हैं। वे कश्मीरी, डोगरी, हिन्दी और उर्दू बोलते हैं जो अधिकारिक भाषाएँ हैं, जबकि कश्मीर, गोजरी, पहाड़ी पंजाबी, भदरवाही,सराजी, खोवार, शिना, बुरूशास्की और बटेरी बोलियाँ हैं। यह समुन्द्र तल से 23,409 फीट ऊपर है। नन कुन पर्वत श्रृंखला यहीं स्थित है।

हिमाचल प्रदेश भारत के उन 13 राज्यों में एक है जो पहाड़ों पर स्थित हैं। यह हिमालय के पश्चिमी भाग में है। इसमें 13 जिले हैं और यहाँ 68 लाख 64 हजार लोग निवास करते हैं। शिमला 20,934 गाँवों वाली राजधानी है। 86.06 प्रतिशत से अधिक शिक्षा के साथ लोग हिमाचली, हिन्दी और किन्नौरी बोलते हैं।

पंजाब भारत का 19वाँ राज्य है जिसका भूभाग सबसे बड़ा है। सिंधु की सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास और रावी इसमें बहती हैं। पंजाब के 2 करोड़ 77 लाख लोगों में से 37.48 प्रतिशत लोग शहरों में और 62.52 प्रतिशत लोग गाँवों में निवास करते हैं। पंजाब में 13,087 गाँव हैं।

उत्तराखंड का अर्थ है उत्तरी भूमि। इसके दो प्रांत हैं, गढ़वाल और कुमाऊँ। इसमें 17 जिलें हैं जिनमें 17,033 गाँव हैं। 1 करोड़ से ज्यादा लोग हैं। राज्य का 86 प्रतिशत भाग पर्वत और 65 प्रतिशत भाग वन/जंगल है। वे संस्कृति, खान–पान, जलवायु परिस्थिति, भाषा और त्यौहार मनाने के तरीके में अलग दिखते हैं। वित्तीय वृद्धि में यह दूसरे स्थान पर है।

सेवकाई पर एक अवलोकन

प्रभु इन 4 राज्यों में 320 स्थानीय पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को सामर्थी रूप से उपयोग कर रहे हैं।

राज्य	कार्यक्षेत्र	कार्यरत गाँव	आराधना समूह	निर्मित आराधना भवन	निर्माणाधीन आराधना भवन
जम्मू कश्मीर	40	225	90	7	5
हिमाचल प्रदेश	42	223	109	6	12
पंजाब	51	268	182	16	15
उत्तराखंड	40	210	68	5	5

विश्ववाणी की सेवकाई इन 4 राज्यों में कार्यरत है। हमारे दर्शन के अनुसार, हमें 1600 पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है जो 8000 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार करेंगे। वर्त्तमान में 320 क्षेत्रीय कार्यकर्ता हैं।

इन 4 राज्यों के सेवकाई के लिए हमारा मुख्य कार्यालय पठानकोट में है जो तीन राज्यों को छूता है। हमें यहाँ सेवकाई के लिए एक प्रशिक्षण केन्द्र की आवश्यकता है। इसलिए हमें एक एकड़ जमीन खरीदने और 5000 वर्ग फुट का एक प्रशिक्षण केन्द्र बनाने की आवश्यकता है। परमेश्वर के अनुग्रह से हमारे पास इस क्षेत्र में 8 प्रशिक्षण केन्द्र हैं, अर्थात अच्चापुलवासा (आन्ध्र प्रदेश), तरंगदा (ओडिशा), नवापाड़ा (गुजरात), लघाड़वाल (महाराष्ट्र), नवाटोली (झारखण्ड), सुरेरी (उत्तर प्रदेश) सिल्लीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) और विश्ववाणी कामी (त्रिपुरा)। इन प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से सेवकाई भी फलवंत हो रही है। जब हमारे सेवकाई के सहयोगीगण कार्यक्षेत्रों का दौरा करते हैं तो वे वहाँ रूकने में भी सहायक होते हैं।

इन चार राज्यों के सेवकाई को दक्षिण तमिलनाडु के विश्वासियों का सहयोग प्राप्त है। हमें इसी वित्तीय वर्ष में पठानकोट प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण कार्य पूरा करना है। हमें जमीन खरीदने और उससे जुड़े काम करने के लिए 50 लाख रूपये की आवश्यकता है। हमें 5000 वर्ग फुट के प्रशिक्षण केन्द्र निर्माण के लिए भी एक करोड़ रूपये की आवश्यकता है। कुल मिलाकर हमें 1 करोड़ 50 लाख रूपये की आवश्यकता है।

हम उत्तर भारत में विश्वासियों के माध्यम से भूमि की खरीद और दक्षिण भारत में विश्वासियों से भवन निर्माण के लिए धन एकत्रित का प्रयास कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि प्रभु इसे अवश्य पूरा करेगा। यह प्रशिक्षण केन्द्र उत्तर भारत के विश्वासियों को प्रशिक्षित करने में सहायक होगा, जहाँ दक्षिण भारत के विश्वासी रूक सकते हैं और उत्तर भारत के कार्य क्षेत्रों का दौरा कर सकते हैं और प्रार्थना सभाएँ आयोजित कर सकते हैं। हम प्रशिक्षण केन्द्र की खरीद और निर्माण में आपकी बहुमूल्य सहयोग का अनुरोध करते हैं।

"जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ। फिलि.4:13

हैदराबाद
13.04.2024

मसीह में आपका भाई
पी. सेल्वाराज, चेयरमैन, विश्ववाणी नेटवर्क

2023–2024 में

85 कार्यक्षेत्रों में आराधना भवन प्राप्त हुए...

और प्रभु प्रतिदिन उन लोगों को कलीसिया में जोड़ता था जो बचाए जा रहे थे (प्रेरितों 2:47)। इन जीवित वचनों को विश्ववाणी के कार्यक्षेत्रों में वास्तव में देख कर हम धन्य हो गये हैं। प्रारम्भ किए गए कार्यक्षेत्रों से हर महीने औसतन 7 आराधना भवन समर्पित किए जाते हैं। 1193 सेवकाई सहभागियों ने परमेश्वर के अद्भुत हाथ को देखने के लिए कार्यक्षेत्रों का दौरा किया और सर्वशक्तिमान की स्तुति की।

इन तीन पन्नों में प्रथम पीढ़ी के विश्वासियों के साथ 85 आराधना भवनों की तस्वीरें देखकर आपका हृदय आनन्दित हो जाए। वे विश्वासी और उनके परिवार जिन्हें परमेश्वर ने इन आराधना भवनों को खड़ा करने के लिए उपयोग किया है, वे भलाई से भरे रहें। हमें 129 कार्यक्षेत्रों में आराधना भवनों का निर्माण पूरा करना है। हमें इसके लिए आपकी प्रार्थनाओं और सहयोग की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्रों में फलवंत सेवकाई के लिये कटनी के स्वामी की स्तुति हो।

01 SURAPUVARIGUDEM, A.P. - 10.04.23

02 VENKAYAPALEM, A.P. - 12.04.23

03 VUYALAMADUGU, A.P. - 14.04.23

04 KULAPITA, ODISHA - 16.04.23

05 HARIHARPARA, WEST BENGAL - 16.04.23

06 SHEPUAMPA, GUJARAT - 16.04.23

07 BONDURU, A.P. - 23.04.23

08 RASIKARAJPUR, ODISHA - 28.04.23

09 PATARAPADA, ODISHA - 29.04.23

10 KHUNTIATOLA, ODISHA - 30.04.23

11 MANASING PARA, TRIPURA - 30.04.23

12 DUSPAIHA PARA, TRIPURA - 06.05.23

13 BHAGIRATH KAMI, TRIPURA - 07.05.23

14 CHINNA KONANGI, A.P. - 10.05.23

15 K. MOTIRAM, W. BENGAL - 12.05.23

16 FACTORY LINE, W. BENGAL - 21.05.23

17 KIDRIMAL, ODISHA - 21.05.23

18 KAMDA, JHARKHAND - 21.05.23

19 TARABHA, ODISHA - 27.05.23

20 BIRTA, JHARKHAND - 28.05.23

21 CHINATHOLUMANDA, A.P. - 28.05.23

22 ITIKA, ANDHRA PRADESH - 04.06.2023

23 LARIBADI, ODISHA - 06.06.23

24 BARAKOLI, ODISHA - 11.06.2023

25 GADDIVALASA, A.P. - 11.06.2023

26 KOTHABAGGAM, A.P. - 11.06.2023

27 SIPAEJU, ODISHA - 14.06.2023

28 SEMARIYA, CHHATTISGARH - 17.06.2023

29 PANDEYPUR, U. P. - 25.06.2023

30 PALIYAKHEDA, RAJASTHAN - 02.07.23

31 KOTHAVEEDHI, A.P. - 08.07.23

32 MAHAL TALWANDI, PUNJAB - 09.07.23

33 CHIROLINE, WEST BENGAL - 16.07.23

34 GENTUBEDA, ODISHA - 22.07.23

35 KUTHANGI, ANDHRA PRADESH - 25.07.23

36 SALIDANGUDA, A.P. - 30.07.2023

37 LATAPOTA, WEST BENGAL - 15.08.23

38 WARENG KAMI, TRIPURA - 03.09.23

39 MANIKRAI PARA, TRIPURA - 09.09.23

40 VANDUVA, A.P. - 17.09.23

41 FERSUABARI, ASSAM - 24.09.23

42 MAHASINGI, ODISHA - 24.09.23

43 IPPAMANUGUDA, A.P. - 24.09.23

44 RANMOCHAN, MAHARASHTRA - 25.09.23

45 RUNDIYA, GUJARAT - 25.09.23

46 SINGIJHORA, WEST BENGAL - 01.10.23

47 S. SIVARAMPURAM, A.P. - 01.10.23

48 PANDRIVALASA, A.P. - 01.10.23

49 BADAPADA, ODISHA - 15.10.23

50 BURRATHOGU, A.P. - 16.10.23

51 PULAKUNTA, A.P. - 22.10.2023

52 THALABIRADA, A.P. - 03.11.23

53 BASANTPUR, ODISHA - 05.11.23

54 ELISHAPURAM, A.P. - 05.11.23

55 DEBPARA, WEST BENGAL - 19.11.23

56 CHILALA, HIMACHAL PRADESH - 25.11.23

57 LAKHIGAON, ASSAM - 02.12.23

58 BABUBHANDA, ODISHA - 11.12.23

59 BUSAYAVALASA, A.P. - 12.12.23

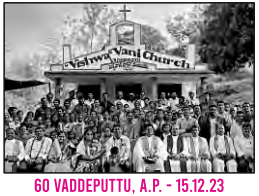

60 VADDEPUTTU, A.P. - 15.12.23

61 GEENA, HIMACHAL PRADESH - 17.12.23

62 M.VENKATAPURAM, A.P. - 17.12.23

63 HOLONGTHAI KAMI, TRIPURA - 18.12.23

64 GUNNATHOTTAVALASA, A.P - 19.12.23

65 PATHARIYA, CHHATTISGARH -28.12.23

66 SCHOOLSAHI, ODISHA - 15.01.2024

67 HEMSUKLAPARA, TRIPURA - 15.01.24

68 GODEVALASA, A.P. - 27.01.24

69 SOINKHOLA PARA, TRIPURA - 28.01.24

70 KUNDABHANGA, ODISHA - 29.01.24

71 LINGAGUDA, ODISHA - 03.03.2024

72 PATADI, CHHATTISGARH - 10.03.2024

73 CHODARAYI, A.P. - 10.03.2024

74 BAGHUAPAL, ODISHA - 15.03.2024

75 LOGILI, A.P. - 18.03.2024

76 PONUGODU, TELANGANA - 20.03.2024

77 ELUMETA, ODISHA - 23.03.24

78 SAINDANIPADA, MAHARASHTRA - 23.03.24

79 Y.SRIRAMAPURAM, A.P. - 24.03.24

80 DOKRIPODOR, ODISHA - 24.03.2024

81 NAGAMMAGUDA, A.P. - 24.03.2024

82 GULTARE, MAHARASTHRA - 30.03.24

83 GADIPALLIVALASA, A.P. - 30.03.2024

84 SURYANAGARAM, A.P. - 31.03.2024

85 TOTTADI, A.P. - 31.03.2024

विश्वास के साथ प्रयास

मैंने हिमाचल प्रदेश के गुडवाल गांव में महिलाओं के एक समूह को शांति और आनन्द के साथ देखा। मैंने उनकी खुशी का कारण पूछा और उन्होंने उत्तर दिया "परमेश्वर का वचन"। मैंने बाइबल अध्ययन समूह में भी भाग लेना प्रारम्भ कर दिया जहाँ हमें निःशुल्क अनन्त सुख–शांति मिल सकती थी। परमेश्वर के प्रेम ने मुझे स्पर्श किया। यीशु अच्छे हैं क्योंकि उन्होंने मेरे पापों को साफ कर दिया और मुझे उद्धार का आनंद दिया। तब मुझे एहसास हुआ कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपना अनंतकाल शांति से बिताने के लिए सुसमाचार बहुत महत्वपूर्ण है। मैं चाहती थी कि मेरे पति भी इस शांति का अनुभव करें। मैंने उनके लिए उपवास और प्रार्थना की। यीशु ने मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया। अब, मैं और मेरा परिवार परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं। परमेश्वर की स्तुति हो क्योंकि वह हमें एक परिवार के रूप में आराधना, प्रार्थना सभा और बाइबल अध्ययन में ले जा रहा है। अब, मैं पड़ोसियों के साथ सुसमाचार साझा करने का प्रयास कर रही हूँ ताकि वे भी अनंतकाल का हिस्सा बनें। — *विश्वासी ज्योति।*

भोर की प्रार्थना

जनवरी माह के अंतिम सप्ताह में भोपाल में उत्तर भारत के सेवकों का सम्मेलन आयोजित किया गया, जब मैं उस सभा में **"मार्ग के लिये उजियाला"** कार्यक्रम के विषय में बता रहा था कि किस प्रकार परमेश्वर ने इसे आशीषित किया है जो प्रतिदिन केवल 10 मिनट का कार्यक्रम है, जिसमें गीत, बाइबल के वचन पढ़े जाते हैं और अन्त में प्रार्थना की जाती है, इस प्रकार प्रतिदिन काफी बड़ी संख्या में लोग इसे सुनते हैं। हमारे विश्ववाणी के चेयरमैन भाई पी. सिल्वाराज ने उसी समय उत्साहित करते हुए कहा क्यों न हम जूम मिटिंग के माध्यम से प्रातःकाल की प्रार्थना प्रारम्भ करें। तत्पश्चात हमारे उत्तर भारत के निर्देशक तथा अन्य अगूवों के विचार विमर्श के बाद 5 फरवरी 2024 को **"भोर की प्रार्थना"** के नाम से प्रारम्भ किया गया, जो पूरे उत्तर भारत के सेवकों तथा हमारे सहयोगकर्ताओं के लिये है, इसमें प्रतिदिन एक प्रांतीय क्षेत्र से आराधना, वचन, और प्रार्थना की जाती है। इसमें 100 से 150 की संख्या में लोग भाग लेते हैं।

उपवासकालीन प्रार्थना के दौरान विश्ववाणी के विशेष अगुवों में बिश्प आनन्द सिंह, बिशप पौलूस पवार, बिश्प अर्नेस्ट क्रिश्चियन एवं बिशप भक्ता वतस्लम ने वचन की सेवकाई की जिससे बहुतों ने प्रभु की आशीष को प्राप्त किया। परमेश्वर के वचन में भी भोर की प्रार्थना का महत्व बताया गया है, पुराने नियम में 1शमूएल 9:26,27 तथा 10:1 में बहुत सुन्दर वर्णन है, भोर के वचन को सुनना और परमेश्वर के चरणों में बैठना आशीष का कारण बना। भोर की प्रार्थना का मतलब दिन भर के लिए अभिषेक प्राप्त करना है।

छत्तीसगढ़ राज्य से भाई शरदलाल बताते हैं कि **"मार्ग के लिये उजियाला"** कार्यक्रम के द्वारा टोल फ्री नम्बर पर प्रार्थना करवाई तो मुझे बहुत आशीष मिली। मैं एक सेवानिवृत सरकारी कर्मचारी हूँ, मैं इस भोर की प्रार्थना में शामिल होने के लिये प्रातः 4 बजे से प्रतीक्षा करता हूँ कि कहीं मैं जूम मिंटिग में प्रवेश करने से वंचित न रह जाऊँ।

झारखंड राज्य की एक वृद्ध सेवा सहयोगी, विश्वाणी सेवकाई के लिये प्रार्थना व सहयोग करती हैं। वह भी सुबह जल्दी उठ जाती हैं, और

अपने व्यक्तिगत प्रार्थना के पश्चात वह **"भोर की प्रार्थना"** में शामिल होने के लिये काफी जिज्ञासा के साथ इंतजार करती है। यदि आप विश्ववाणी सेवा के सहयोगी हैं, व इस भोर की प्रार्थना में शामिल होना चाहते हैं तो आप स्थानीय विश्ववाणी कार्यकर्ता से संपर्क करके कार्यक्रम का जूम लिंक प्राप्त कर सकते हैं।

प्रार्थना करें कि मार्ग के लिये उजियाला व भोर की प्रार्थना कार्यक्रम के द्वारा हमारा जीवन प्रज्वलित हों तथा हम प्रभु की आशीषों को प्राप्त करें।

प्रभु आप सब को आशीष प्रदान करें।

रेव्ह. फिलिप चन्द

वचन प्रकाश है

मैं जॉन बेक हूँ हालाँकि मैं एक शिष्य का नाम रखता हूँ, मेरे और यीशु के बीच एक बड़ा अंतर था। मुझे वह सब कुछ मिला जो मैं चाहता था। लेकिन मैं दुनिया के घमंड में फंस गया था और मानसिक रूप से बीमार हो गया था। मैंने जीवित परमेश्वर की तलाश के लिए अपनी यात्रा प्रारम्भ की। जब मैंने परमेश्वर को एक या दो बार नहीं बल्कि अपनी सीमा तक खोजना प्रारम्भ किया तो मुझे असफलताओं का सामना करना पड़ा।

मुझे अपने मित्र के माध्यम से सलाईनगर क्षेत्र, छत्तीसगढ़ में मिशनरियों की शिक्षाएँ सुनने का अवसर मिला। पहली बार मैंने पवित्र बाइबल से वचन सुना। मुझे अपने उन सभी सवालों के जवाब मिल गए जो मेरे दिल को परेशान कर रहे थे। मुझे यीशु के नाम में रोशनी मिली। मैं अपना अनुभव दूसरों के साथ बाँट रहा हूँ कि कैसे स्वर्गीय परमेश्वर पृथ्वी पर आये। मैंने मरते दम तक युवाओं के साथ परमेश्वर के वचन को बाँटने के लिये स्वयं को समर्पित किया है। *– जॉन बेक, छत्तीसगढ़*

कौन सा महत्वपूर्ण है?

इसे शुरू कर रहे हैं? इसे जारी रख रहे हैं? इसे समाप्त कर रहे हैं?

– रेव्ह. डॉ. इम्मानूएल ग्नानाराज, निर्देशक – प्रेयर नेटवर्क

यह कोई बहस नहीं है जहाँ तीन पक्ष अपनी राय रखते हैं। हमें बुआई, खेती या कटाई की व्याख्या नहीं करनी है। सुसमाचार कार्य क्या है? हमें इससे कैसे संपर्क करना चाहिए? इसमें हमारी क्या भूमिका है? यह लेख इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने के लिए है।

1कुरि.3 अध्याय में प्रेरित पौलुस ने सुसमाचार कार्य में अपनी भूमिका और इस दर्शन को जारी रखने वाले लोगों को क्या करना चाहिए, इसकी व्याख्या की है। इसका कारण ईर्ष्या, घृणा और प्रतिशोध था जो उस समय कुरिन्थियों के कलीसियाओं में देखा गया था। आइए हम इस पर मनन करें कि प्रेरित पौलुस किस प्रकार इन समस्याओं/मुसीबतों का साम्हना कर रहा था और उन पर काबू पा रहा था। आज भी हम कलीसियाओं को अहंकार और रगड़ो–झगड़ों से भरे हुए देखते हैं और परिणामस्वरूप उनमें विभाजन के साथ–साथ उनकी संख्या में भी वृद्धि होती है। पौलुस इस अध्याय में समाधान के रूप में क्या देता है, उस पर ध्यान देना बेहतर होगा।

1कुरिन्थियों 1:13 में पौलुस के शब्दों पर विचार करें। "क्या मसीह बंट गया है"? ऐसा कुछ भी नहीं है जिसके बारे में हम घंमड कर सकें क्योंकि हम प्रभु परमेश्वर के लिए काम कर रहे हैं। यह केवल उन विश्वासियों के लिए चेतावनी के रूप में दिया गया है जो कलीसिया का हिस्सा हैं और मसीह की देह हैं।

सुसमाचार का प्रचार करना हमारा कर्तव्य है। हमारे पास घंमड करने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि हम सुसमाचार का प्रचार करते हैं। ऐसा कोई नहीं है जो दूसरों से बेहतर हो। इसीलिए पौलुस ने इफिसुस की कलीसिया को अलगाव की भावना को दूर करने की चेतावनी दी। 1कुरि.3:5 कहता है "आखिर अपुल्लोस क्या है? और पौलुस क्या है? केवल सेवक, जिनके द्वारा तुममें विश्वास आया – जैसा की प्रभु ने प्रत्येक को उसका कार्य सौंपा है।

बोना क्या है?

हम अक्सर उत्पति 8:22 पर आधारित गीत याद करते हैं "पृथ्वी पर बीज बोने का समय और फसल काटने का समय कभी न रूकेगा" हम या तो बोते हैं या रोपते हैं। उन लोगों के लिए सुसमाचार का प्रचार करना जो यह नहीं जानते हैं कि यीशु हमारे पापों को क्षमा करने के लिए इस धरती पर आए थे और जो लोग उन पर विश्वास करते हैं और उन्हें स्वीकार करते हैं, उनके लिए अनन्त जीवन है, यह सिर्फ एक शुरूआत है। क्या इस उद्घोषणा की आवश्यकता है? क्या यह अन्य दो सेवकाई के ऊपर है? इस पर बहस करने का कोई मतलब नहीं है, रोमियों 10:14 कहता है, "फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम कैसे लें? और जिसके विषय सुना नहीं उस

पर कैसे विश्वास करें? और प्रचारक बिना कैसे सुनें? इसलिए सुसमाचार प्रचार करना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

आज एक ही स्थान पर बार–बार सुसमाचार का प्रचार किया जाता है। यदि उद्धार का संदेश उन लोगों के लिए फिर से प्रचार किया जाता है जिन्होंने यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है, तो अन्य लोग जिन्होंने सुसमाचार नहीं सुना है वे इसे कब सुनेंगे? उन्हें यीशु पर विश्वास करने और ग्रहण करने का अवसर कब मिलेगा? एमिल अन्नन ने खूबसूरती से गाया है, " अगर जो लोग सुसमाचार जानते थे उन्होंने प्रचार नहीं किया था, तो जिन्होंने इसे नही सुना है वे कैसे विश्वास करेंगे? आज हमें यह तय करना होगा कि हम भरपूर फसल की घोषणा करने के लिए तैयार हैं।

आइए हम विचार करें कि पौलुस की तरह हम किस हद तक अछूते लोगों तक सुसमाचार का प्रचार करने में शामिल रहे हैं (2कुरि.10:16) क्या हम सही जगह पर बीज बो रहे हैं? हमें उस स्थान को चुनने में सावधानी बरतनी चाहिए जहाँ हम वचन बोने जा रहे हैं, चाहे वह अच्छी जमीन हो या पथरीली? अतः बीज बोने के इस कार्य में प्रार्थना ही प्रमुख साधन है। हमें उस आत्मा और गाँव के लिए प्रार्थना करते रहना चाहिए, कि हमें सुसमाचार प्रचार करना चाहिए। पवित्र आत्मा को लोगों का हृदय खोलना चाहिए जैसा उसने लीदिया के लिए किया था। तभी बीज बुआई का सेवकाई पूरा होगा। प्रेरित पौलुस ने परमेश्वर का वचन बोया।

सींचना क्या है?

सिंचना उचित बुआई और उचित सेवकाई नहीं है। यदि हमें यह पता नहीं है कि हम किसके लिए वचन बो रहे हैं, लेकिन उन्हें यहाँ–वहाँ बो रहे हैं और संतुष्ट हैं कि हमने परमेश्वर का काम पूरा कर लिया है, तो यह पानी देना नहीं है। परिणाम स्वरूप हम बीज बुआई सेवकाई करने में असमर्थ हैं।

विश्ववाणी सेवकाईयों में कार्य क्षेत्र के कार्यकर्ता के काम पर विचार करें जो 5 गाँवों के ऊपर केन्द्रित है। वह हर सप्ताह में एक बार एक खाश दिन पर 5 गाँवों का दौरा करते हैं और उनसे संपर्क बनाए रखते हैं। यह काम का पहला चरण है। वह उन लोगों को इकट्ठा करता है जिनसे उसने संपर्क किया है और जो रूचि रखते हैं और खोजियों की सभा आयोजित करते हैं और उन्हें साप्ताहिक बाइबल अध्ययन समूह में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते है। जो लोग बाइबल अध्ययन समूहों में भाग लेते हैं उन्हें वचन सीखने का अवसर मिलता है। यह सींचाई सेवकाई है। यह महत्वपूर्ण है कि जिन आत्माओं ने एक बार सुसमाचार सुना है, उनका अनुसरण किया जाना चाहिए। यह अप्पुलोस ही था जिसने सींचा। जो लोग बाइबल अध्ययन समूह में भाग लेते हैं वे नियमित रूप से यीशु के लिए अपना हृदय खोलते हैं और उन्हें अपने पापों की क्षमा का आश्वासन मिलता है। इसके बाद वह जन मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार करता है। परमेश्वर पिता की आराधना करता है और अंततः वह कलीसिया का सदस्य बन जाता है। यह वह परिक्रिया है जिसका पालन हमारे कार्यक्षेत्रों में किया जाता है।

हम अपने क्षेत्रों में इस प्रकार की कार्यनीतियों का पालन क्यों नहीं कर सकते? हम

परमेश्वर के वचन को उन मित्रों के साथ लगातार बाँट सकते हैं जो यीशु को नहीं जानते हैं। यदि हम इस अवसर का उपयोग करते हैं, तो हम बुद्धिमान हैं। अप्पुलोस ने उन सभी स्थानों पर सींचाई की जहाँ पौलुस ने बीज बोया है और सेवकाई को आगे बढ़ाने का काम किया है।

बढ़ने का कारण क्या है?

प्रेरितों के काम 2:47 कहता है, " और जो उद्धार पाते थे उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था" उनको प्रभु प्रति दिन उन में बढ़ाता गया"। यीशु ने मत्ती 16:16–18 में कहा कि वह इस पत्थर पर अपना कलीसिया बनायेगा। पवित्र आत्मा उन लोगों को कलीसिया का सदस्य बनाता है जिनके पाप क्षमा कर दिए गए हैं और जो उसके नाम में विश्वास करते हैं। फिर वह उन्हें परमेश्वर की संतान बनाता है। आत्माओं की कटर्नी बढ़ोतरी / विकास का कारण बन रही है। पवित्र आत्मा के कार्य में पहला चरण हमें पाप, धार्मिकता और न्याय के बारे में निर्देश देना है (यूहन्ना 16:8–11)। दूसरा चरण जो बढ़ोतरी / विकास का कारण बनता है वह यह होगा कि वे सभी जिन्होंने यीशु को बेधा था वे उसे स्वीकार करेंगे (प्रेरितों के काम 2:37,38)। तीसरा चरण यह है कि वे विश्वासी एक साथ इकट्ठा होते हैं, प्रभु की आराधना करते हैं और संगति रखते हैं (प्रेरितों के काम 13:1–3)। चौथा चरण कार्य क्षेत्रों की कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी लेना और उन्हें भेजना है।

प्रभु हमें पवित्र आत्मा के माध्यम से सुसमाचार कार्य के लिए सशक्त रूप से उपयोग करें। ■

आवश्यकतायें बुला रही है

कई आवश्यकतायें हैं जिनकी तत्काल आवश्यकता है– उन पूर्णकालिक सेवकों के लिए जो अपने काम में तेजी लाने के लिए दिन–रात आत्माओं की कटाई में लगे हुए हैं– खेतों की उपज बढ़ाने के लिए, यह सूची महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को दर्शाती है! इसे प्रार्थना पूर्वक पढ़ें, आवश्यकता में भाग लें और धन्य बनें!

रू.500 x 5000 कोकबोरोक बाइबल	= 25,00,000 / – रूपया की आवश्यकता है।
रू.6000 x 225 साइकिलें	= 13,50,000 / – रूपया की आवश्यकता है।
रू.1000 x 660 संगीत वाद्ययंत्र	= 6,60,000 / – रूपया की आवश्यकता है।
रू.500 x 1300 चटाई / दरी	= 6,50,000 / – रूपया की आवश्यकता है।
रू.200 x 600 टॉर्च लाईट	= 1,20,000 / – रूपया की आवश्यकता है।
रू.75,000 x 50 दोपहिया वाहन	= 37,50,000 / – रूपया की आवश्यकता है।
रू.25,000 x 200 पी.ए.सिस्टम	= 50,00,000 / – रूपया की आवश्यकता है।

समर्पण पत्रिका की सदस्यता के लिये ऑनलाइन बैंक विवरण

A/C Name: VISHWA VANI SAMARPAN
Bank: STATE BANK OF INDIA
A/C No.: **1040 845 3024**
IFSC Code: **SBIN0003870**
Branch: ANNANAGAR WEST, CHENNAI

We request you to share your transaction reference to acknowledge with receipt

✆ 044-26869200

कार्यक्षेत्र के समाचार

स्तुति - प्रार्थना

यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, क्योंकि उसने आश्चर्यकर्म किए हैं।
उसके दाहिने हाथ और पवित्र भुजा ने उसके लिये उद्धार किया है। भजन संहिता 98:1

जम्मू कश्मीर

परमेश्वर की स्तुति हो: 4 परिवारों ने अपने पापों का पश्चाताप किया। विजयपुर क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय कैंप के माध्यम से कई लोग आशिषित हुये। 5 लोगों का उद्धार प्राप्त किया। रविशंकर जो प्रभु प्रेम से दूर थे, उन्होंने पश्चाताप किया और विश्वासियों की संगति में शामिल हुये।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, वे प्रभु में बढ़ने के लिये। धनोदी क्षेत्र के विश्वासी जो आराधना भवन के समर्पण के लिये तैयार हो रहे हैं। 2 क्षेत्रों में आराधना भवन के निर्माण के लिये जमीन प्राप्त होने के लिये। 10 युवा जो पूर्णकालीन सेवकाई के लिये आगे आये हैं, कृपया प्रार्थना करें।

हिमाचल प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: 9 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 3 परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। 10 गाँव को सेवकाई के लिये चिन्हित किया गया। कार्यकर्ता अंकित कुमार को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, उनका उद्धार होने के लिये। डोले क्षेत्र में दिखे जाने वाले दुष्ट के कार्यों को प्रभु दूर करने के लिये। बांगरन क्षेत्र के आराधना भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के लिये। इस कार्यक्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

पंजाब

परमेश्वर की स्तुति हो: 12 युवाओं ने अपना नया जीवन प्रारम्भ किया और दूसरों के साथ परमेश्वर का वचन बाँट रहे हैं। इस क्षेत्र में कई लोगों ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। इस प्रांत में कई युवाओं ने स्वयं को पूर्णकालीन सेवकाई के लिये समर्पित किया।

प्रार्थना करें: 15 स्थानों में आयोजित युवाओं के कैंप के लिये। फूस मंडी क्षेत्र के आराधना भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के लिये। खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों का उद्धार हुआ, वे परमेश्वर के वचन में बढ़ने के लिये। जोगिंदर पाल जो नशे के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तराखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में कईं लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना। इस प्रांत में 11 आराधना समूह प्रारम्भ किया गया। एल.ई.जी केन्द्र के माध्यम से 6 लोग सेवकाई में शामिल हुये। इस क्षेत्र में कई लोगों ने मसीह में अपने नए जीवन को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: खोजियों की सभा के माध्यम से 49 लोगों ने परमेश्वर के प्रेम को जाना, वे प्रभु में बढ़ने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये। कार्यकर्ता मनीष कुमार जो टी.बी के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये।

हरियाणा

परमेश्वर की स्तुति हो: पिंकी का परिवार इस क्षेत्र में शांति के पात्र के रूप में हैं। इस क्षेत्र में सेवकाई के लिये नए सम्पर्कों के लिये प्रभु की स्तुति हो। 2 परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुये। रोहित और उनके परिवार ने स्वयं को प्रभु की सेवा के लिये समर्पित किया।

प्रार्थना करें: इस कार्यक्षेत्र में क्षेत्र सर्वेक्षण निरंतर चलने के लिये। रंजीत के परिवार को शान्ति प्राप्त होने के लिये। इस क्षेत्र के विश्वासियों की आत्मिक

उन्नति के लिये। इस कार्यक्षेत्र में पूर्णकालीन सेवक मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

दिल्ली

परमेश्वर की स्तुति हो: स्कूल जाने वाले 72 बच्चों के लिये बैग और किताबें वितरित करने में प्रभु ने हमें सक्षम बनाया। 17 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। रीना जिन्होंने प्रभु को स्वीकार किया और उनके परिवार को शान्ति मिली। सुनील और आशा को प्रभु ने अच्छा स्वास्थ्य दिया।

प्रार्थना करें: आराधना समूह में शामिल होने वाले विश्वासियों की गवाही के माध्यम से बहुत से लोगों का उद्धार होने के लिये। सरिता को दुष्टात्मा के बंधन से पूर्ण छुटकारा मिलने के लिये। खोजियों की सभा में नयी आत्माऐं शामिल होने के लिये। बाइबल अध्ययन समूह में शामिल होने वाले लोग परमेश्वर के वचन में दृढ़ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान – बाँसवाड़ा जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई काना को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। हीरा को मानसिक रोग से चंगाई मिली। 16 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: इस क्षेत्र में आयोजित कैंप के माध्यम से कई लोगों तक परमेश्वर का वचन पहुँचने के लिये। इस क्षेत्र में पूर्णकालीन सेवकों की आवश्यकता के लिये। इस क्षेत्र में कार्यरत सेवकों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

राजस्थान – उदयपुर जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: मनीषा जो दो वर्ष पहले खो गई थी, वह सुरक्षित घर लौट आईं। हेमराज और शंभुलाल स्वेच्छा से सेवकाई में शामिल हो रहे हैं। बहन मरियम और सदन जो मानसिक रोग से ग्रसित थीं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिली। 31 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: सियाद क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये अनुमति प्राप्त होने के लिये। 45 युवा जिन्होंने सेवकाई के लिये स्वयं को समर्पित किया, उनके लिये प्रशिक्षण प्राप्त होने के लिये। कोटरा क्षेत्र में दिखे जाने वाले दुष्ट के कार्य को प्रभु दूर करने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

उत्तर प्रदेश – लखनऊ प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: मोहम्मदपुर क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य पूरा हुआ। मनोज कुमार के पश्चाताप के माध्यम से इस क्षेत्र में सेवकाई के लिये द्वार खुला। विश्वासी अनिल कुमार ने आराधना के लिये अपने घर का द्वार खोला। सुसमाचार ने 5 परिवारों को स्पर्श किया।

प्रार्थना करें: पूजा के परिवार को प्रभु बच्चे की आशीष देने के लिये। कलुआ क्षेत्र के लोगों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। बपतिस्मे के लिये तैयार लोगों के लिये। इस क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये उचित स्थान मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

बिहार

परमेश्वर की स्तुति हो: जमुई जिले में सेवकाई के लिये 25 गाँव को चिन्हित किया गया। 27 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। 98 गाँव में परमेश्वर का प्रेम बाँटा गया। 20 लोगों ने उद्धार प्राप्त किया और वह परमेश्वर का वचन बाँट रहे हैं।

प्रार्थना करें: 305 लोग जिन्होंने पहली बार सुसमाचार सुना, वे वचन में बढ़ने के लिये। 20 युवा जिन्होंने स्वयं को पूर्णकालीन सेवकाई के लिये समर्पित किया, उनके लिये प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के लिये। 10 आराधना समूह के लिये आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि की आवश्यकता है, कृपया प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल – कोलकाता प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: इस क्षेत्र में एक परिवार ने सेवकाई के लिये साइकिल दान की। 11 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। युवा रूतम मिर्जा को प्रभु ने चंगाई दी, वह अपनी गवाही दूसरों के साथ बाँट रहे हैं। 56 गाँवों में खोजियों की सभा के माध्यम से प्रभु ने नए सम्पर्क दिये।

प्रार्थना करें: कसबा क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये भूमि की आवश्यकता के लिये। 337 लोग जिन्होंने परमेश्वर का वचन सुना, वे परमेश्वर के प्रेम में बढ़ने के लिये। गौतम बाग और अपर्णा बाग को प्रभु बच्चे की आशीष देने के लिये। बपतिस्मा सभा के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

असम

परमेश्वर की स्तुति हो: लोपोंगटोला विश्वासियों के लिए प्रभु की स्तुति करो

जो स्वयं एक अस्थायी आराधना केंद्र स्थापित कर रहे हैं। मोइनागुड़ी क्षेत्र में बोडो और राजबोंगसी जनसमह के मध्य में सेवकाई के लिये द्वार खुला। मेकरी को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। 198 लोग जिन्होंने हातिबुड़ा गांव में पहली बार सुसमाचार सुना।

प्रार्थना करें: बपतिस्में के लिये तैयार लोगों के लिये। युवा कुसुम और अपुएल जो विश्वास में पीछे हो गए हैं। भाई लोकीराम के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। दारीदुरी के ग्रामीणों को नशे से छुटकारा मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

सिक्किम

परमेश्वर की स्तुति हो: दरप क्षेत्र में सेवकाई फलवंत हो रही है। इस क्षेत्र के कई लोग परमेश्वर का वचन सुनने में रूचि ले रहे हैं। मनमाया का परिवार विश्वासियों की संगति में शामिल हुए।

प्रार्थना करें: बहन सुमन जो कैंसर के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। सिस्नी और बियरिंग क्षेत्र में बोया गया परमेश्वर का वचन फलवंत होने के लिये। कैजाले क्षेत्र के विश्वासियों की आत्मिक उन्नति के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मणिपुर

परमेश्वर की स्तुति हो: उदय सिंह ने बाइबल केन्द्र के लिये अपने घर का द्वार खोला। 5 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। अवंग विश्वासियों की संगति में कई लोग शामिल हुये। 56 गाँवों में खोजियों की सभा आयोजित की गई, जहाँ कई लोग प्रभु का वचन सुनने में रूचि ले रहे हैं।

प्रार्थना करें: युमनाम खुनौ क्षेत्र में निरंतर चलने वाली सुसमाचार सभाओं में पवित्रआत्मा कार्य करने के लिये। विश्वासी और उनके परिवार जिन्होंने अपना सामान खो दिया है और पुनर्वास के लिये शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। कस्तूरी मैतई के हृदय में पवित्र आत्मा कार्य करने के लिये। कीनौर क्षेत्र के विश्वासी जिन्हें अपने विश्वास के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – कंधमाल जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: कुकुरकुम्पा, रूजंगी और भलियापाड़ा क्षेत्र में बाइबल

अध्ययन समूह प्रारम्भ किया गया। कार्यकर्ता बिजयकुमार सेठी के परिवार को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी। बहन मिनाक्षी बेहरा को दुष्टात्मा के बंधन से छुटकारा मिला। प्रभु के अनुग्रह द्वारा बंदुली क्षेत्र में आराधना भवन के निर्माण के लिये हमें जमीन मिली।

प्रार्थना करें: सलागुड़ा आराधना भवन के नवीनीकरण के लिये। कंधमाल क्षेत्र के कार्यालय के लिये कंप्यूटर और प्रिंटर की आवश्यकता के लिये। खजूरीपाड़ा क्षेत्र में बोया गया परमेश्वर का वचन फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

ओडिशा – रायगढ़ा जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: 5 लोग पेडागुड़ा क्षेत्र की कलीसिया में शामिल हुये। जाम्बोगुड़ा गाँव में हमें सेवकाई के लिये नए सम्पर्क प्राप्त हुए। कुप्रीगुड़ा क्षेत्र में रात्रि सभाओं के माध्यम से सेवकाइ फलवंत हो रही है। उन 9 लोगों के लिये प्रभु की स्तुति हो मसीह में दृढ़ विश्वास के साथ सुसमाचार बाँट रहे हैं।

प्रार्थना करें: चंद्रापुर प्रांत में सेवकाई फलवंत होने के लिये। दुकुम ग्रामीणों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। हल्लम क्षेत्र के आराधना भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने के लिये। इस क्षेत्र में जिन लोगों ने सुसमाचार सुना, वे मसीह में दृढ़ होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

झारखण्ड

परमेश्वर की स्तुति हो: भाई जीतराम जो प्रभु के प्रेम से दूर थे, वे मसीह में नयी सृष्टि बन गए हैं और वह रूचिपूर्वक आराधना समूह में शामिल हो रहे हैं। अनिल ऑरान को सुसमाचार ने स्पर्श किया और वह बाइबल अध्ययन समूह में भाग ले रहे हैं। इस क्षेत्र में कई लोगों ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। प्रभु के अनुग्रह द्वारा कालेट गाँव में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ किया गया।

प्रार्थना करें: कार्यकर्ता दुलार करकेट्टा जो ब्रेन हेमरेज के कारण अस्पताल में भर्ती हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। मंगरा गाँव के लोगों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। सुलोचना देवी जो शराब की आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

छत्तीसगढ़ – चाँपा प्रांत

परमेश्वर की स्तुति हो: 3 क्षेत्रों में आराधना समूह प्रारम्भ किया गया।

कार्यकर्ता रोहित कुमार बघेल के परिवार को प्रभु ने बच्चे की आशीष दी। खोजियों की सभा के माध्यम से कई लोगों ने सुसमाचार सुना। 25 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: कांकी क्षेत्र में बाइबल अध्ययन समूह प्रारम्भ करने के लिये किए गए प्रयासों के लिये। 10 सेवकों को दुर्गम क्षेत्रों में सेवकाई के लिये दोपहिया वाहन की आवश्यकता है। देव चरण जो नशे के आदी हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। 3 क्षेत्रों में आराधना भवन के निर्माण के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

परमेश्वर की स्तुति हो: 32 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। हरी नारायण का परिवार इस प्रांत में शान्ति के पात्र हैं। अजय जो लकवे के रोग से ग्रसित थे, प्रार्थना के माध्यम से उन्हें चंगाई मिली। अनीता जो पिछले 1 वर्ष से दुष्टात्मा के चुंगल में थी, प्रार्थना के माध्यम से उन्हें छुटकारा मिला।

प्रार्थना करें: सीमा जो टी.बी के रोग से ग्रसित हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। डिंडोरी और मंडला जिले में सेवकाई के लिये द्वार खुलने के लिये। इस क्षेत्र में कार्यरत बाइबल अध्ययन समूह, आराधना समूह में परिवर्तित होने के लिये। विश्वासी संदीप और अनुराग की गवाही के माध्यम से उनके समस्त परिवार का उद्धार होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

गुजरात – सूरत जिला

परमेश्वर की स्तुति हो: 5 गाँव में सेवकाई प्रारम्भ की गयी। 12 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। प्रभु के अनुग्रह द्वारा जखाला क्षेत्र में आराधना भवन का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया। शारदा बेन के परिवार के 5 लोग जिन्होंने प्रभु यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

प्रार्थना करें: बलधा और पालोग क्षेत्र में जिन लोगों ने परमेश्वर का वचन सुना, वे प्रभु में बढ़ने के लिये। दिव्येश भाई जो मानसिक रूप से बीमार हैं, उन्हें पूर्ण चंगाई मिलने के लिये। धधवाड़ा क्षेत्र के लोगों के हृदय में प्रभु कार्य करने के लिये। इस क्षेत्र में खोजियों की सभा निरंतर चलने व फलवंत होने के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

महाराष्ट्र

परमेश्वर की स्तुति हो: 35 लोगों ने मसीह में अपने नए विश्वास को स्वीकार किया। विनोद पाटिल और मंगल बाई काले जो बाइबल पढ़ने और परमेश्वर का वचन जानने में रूचि ले रहे हैं। सुकड़ी क्षेत्र के विश्वासियों के मध्य सुसमाचार बाँटने की रूचि में वृद्धि के लिये, प्रभु की स्तुति हो। निवृत्ति और यशवंत बाइबल अध्ययन समूह में शामिल हुये।

प्रार्थना करें: धुले और नंदुरबार जिले में आयोजित मेले की तैयारी के लिये। देउबाई जो दुष्टात्मा के चंगलु में हैं, उन्हें छुटकारा मिलने के लिये। हिप्पार्गा क्षेत्र में सेवकाई फलवंत होने के लिये। बपतिस्में के लिये तैयार लोगों के लिये, कृपया प्रार्थना करें।

विश्वास के कदम

मैं 19 साल का हूँ और मैं अपनी युवावस्था और उच्च शिक्षा के बारे में विचारों और सपनों से घिरा हुआ था। लेकिन एक ही दिन में सब कुछ बिखर गया जब मुझे लकवे के रोग से ग्रसित हो गया। वित्तीय संकट के बीच, मेरे पिता ने मेरे स्वास्थ्य के लिए 70,000 रुपये खर्च किए लेकिन इससे मुझे कोई फायदा नहीं हुआ।

परमेश्वर ने हमारे घर एक दूर के रिश्तेदार को यह बताने के लिए भेजा कि जो चीजें मनुष्यों के लिए असंभव हैं वे परमेश्वर के लिए संभव हैं। गुजरात के पीपलवान क्षेत्र में प्रभु के सेवक से हमारी मुलाकात और उन्होंने हमें यीशु के नाम पर होने वाले अद्भुत के विषय में बताया। वे निरंतर हमारे लिये प्रार्थना करते रहे! आज मैं खड़ा होने और चलने में सक्षम हूँ यह मेरे माध्यम से नहीं बल्कि यीशु मसीह के माध्यम से है जिसने मुझे छुआ! मेरे पिताजी को भी एहसास हुआ कि कोई समस्या नहीं होगी और हम धन्य होंगे जब हम पैसे पर नहीं बल्कि मसीह के शब्दों पर भरोसा करेंगे। उसने यीशु के लिए अपना हृदय भी खोल दिया। आज हमारा घर एक सुसमाचार केंद्र बन गया है। प्रभु हमारे विश्वास के कदमों को मजबूत करें और हमारे युवाओं की कलीसिया में विश्वासियों को बढ़ाएं। *– हीरल बेन वसावा, गुजरात।*

ऑनलाइन दान करें

Bank : State Bank of India A/C Name: VISHWA VANI
A/C No. : **1015 1750 252** IFS Code : **SBIN0003273**
Branch : Amanjikarai, Chennai - India.
We request you to share your transaction reference
to acknowledge with receipt ✆ 9443127741, 9940332294

UPI ID
vvadmin@sbi
UPI Name:
VISHWAVANI

वर्तमान समाचार

- वार्षिक भारत टीबी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2015 से 2022 तक तपेदिक (टीबी) की घटनाओं में 16% की गिरावट देखी गई है, जो 9% की वैश्विक गिरावट को पार कर गई है। भारत टीबी रिपोर्ट 2024 में बताया गया कि पिछले साल टीबी के 25.55 लाख मामले अधिसूचित किए गए थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक टीबी के मामले दर्ज किए गए, उसके बाद बिहार का स्थान है।
- वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2024 में भारत 143 देशों में से 126वें स्थान पर है, जो पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर सहित कई देशों से पीछे है। यह रैंकिंग भारत को अपने नागरिकों की भलाई के विभिन्न पहलुओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। दिलचस्प बात यह है कि भारत के पड़ोसी देश चीन ने 60वां स्थान हासिल किया, उसके बाद नेपाल (93), पाकिस्तान (108), म्यांमार (118), श्रीलंका (128) और बांग्लादेश (129) का स्थान रहा। भारत दुनिया भर में दूसरी सबसे बड़ी वृद्ध आबादी का घर है, जिसमें 60 और उससे अधिक उम्र के 140 मिलियन भारतीय हैं।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया भर में लगभग दो अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की कमी है। इसके अतिरिक्त, खराब पानी, साफ–सफाई और साफ–सफाई से संबंधित बीमारियों के कारण हर साल 74 मिलियन लोगों का जीवन छोटा हो जाता है, और स्वच्छ पानी तक पहुंच की कमी के कारण हर साल 1. 4 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाती है।
- दुनिया भर में गंभीर रूप से खाद्य असुरक्षित लोगों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है, जो कि कोविड–19 महामारी से पहले 149 मिलियन लोगों से बढ़कर 2023 में 333 मिलियन लोगों तक पहुंच गई है (विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा निगरानी किए गए 78 देशों में)। मौसम और जलवायु की चरम सीमाएँ गंभीर कारक थीं, हालाँकि मूल कारण नहीं थीं।

सेवा के लिए सम्पर्क करें

JAMMU: **Vishwa Vani**, C/o Ashirwad Bhawan, H.NO. 165, Lane-2, Christian Colony, New Plot, Jammu-180005. Mobile No- 9469289692, 9419287712.

PUNJAB/HP: **Vishwa Vani**, C/o Dr. Sony Astha Dental lab, 2-A, Ward No-13, Dev Nagari, Near Hossana Church, Behind Dr. Rajpal Hospital Camini, Pathankot, Punjab- 145001, Mobile No-9915651260.

UTTRAKHAND: **Vishwa Vani**, Vill. Gorakhpur Aarkediya Grant, Christian Colony Near Methodist Church Water Tank, P.o Badowala Prem Nagar, District Dehradun, Uttarakhand - 248007, Mobile: 9557968104.

DELHI: **Vishwa Vani,** F-11, First Floor, Vishwakarma Colony, M.B. Road, New Delhi - 110044, Ph: 0129- 4838657; Mobile No: 9910762447.

UTTAR PRADESH: **Vishwa Vani**, Raj Villa 11/32/1 Indira Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh - 226016 Mobile No- 8687951286.

UTTAR PRADESH: **Vishwa Vani**, C/o Mr. Ram Kumar Joswa, Jhabra (Jalalpur) Deipur Jansa , Varanasi, Uttar Pradesh-221405, Mobile No: 9559351020

RAJASTHAN: **Vishwa Vani**, Mission Compound, Banswara, Rajasthan - 327001, Mobile No-9414725164.

RAJASTHAN: **Vishwa Vani**, C/o Abhram Ninama, 29, Jaldarshan Complex, Sanjay Park, Rani Road, Udaipur, Rajasthan - 313001, Mobile No-9602385024.

MADHYA PRADESH: **Vishwa Vani**, 2/6-A, Sarvajan Colony, Akbarpur Nayapura, Kolar Road,Bhopal, Madhya Pradesh - 462042, Mobile No - 9770252588.

MADHYA PRADESH: **Vishwa Vani**, C/o Mrs. Neena singh, 146 M.C.I. Colony, Near Anchal Vihar Katanga, Jabalpur, Madhya Pradesh - 482001, Mobile: 7722916665.

BIHAR: **Vishwa Vani**, CA/59, Near Malahi Pakri Chowk, PC Colony, Kankarbagh, Patna, Bihar-800020, Mobile No- 9110966419; 9337652667.

JHARKHAND: **Vishwa Vani**, C/o Kachhap Niwas, Bodra Lane Nayatoli. H.B.Road,Ranchi, Jharkhand - 834001. Mobile No-9431927472; 7909013933.

CHATTISGARH: **Vishwa Vani**, H.No. D- 4, Shatabadi Nagar, Telibandha, Post- Ravi Gram, Raipur 492006, Chhattisgarh, Mobile No. 9826452343, 7879125657.

CHATTISGARH: **Vishwa Vani**, Thomson Villa, H.NO-58, Ward No-17, Mission Road Bhojpur, Champa, Dist-Janjgir-Champa, Chhattisgarh - 495671, Mobile No:7987020083; 9926176754.

मूल्यांकन एवं योजना सभा

विश्ववाणी कार्यकर्ताओं की संगति को 10 केन्द्रों में आयोजित मूल्यांकन सभा के माध्यम से और परमेश्वर के अनुग्रह से दृढ़ किया जा रहा है। विश्ववाणी दर्शन पर आगे बढ़ने के लिए प्रार्थना का समय बहुत प्रभावी था। प्रभु यीशु मसीह में बड़े विश्वास के साथ आने वाले छः महीनों के लिए तैयार कार्य योजना के द्वारा आशा की एक बड़ी किरण दिखाई दे रही है। प्रभु की महिमा हो।

लुधियाना (उत्तर भारत), 3-5 अप्रैल 2024

कोविन (तमिलनाडु और केरल), 3-5 अप्रैल 2024

बैंगलुरू (कर्नाटक), 3-4 अप्रैल 2024

विजयवाड़ा (मध्य ए.पी.), 3-4 अप्रैल 2024

लगधवाल (महाराष्ट्र और गुजरात), 4-6 अप्रैल 2024

हनमाकोंडा (उत्तरी तेलंगाना), 5-6 अप्रैल 2024

तरंगत (पश्चिम बंगाल और ओडिशा), 4-6 अप्रैल 2024

कडप्पा (दक्षिणी ए.पी.), 6-7 अप्रैल 2024

सिलीगुड़ी (उत्तर पूर्व भारत), 6-8 अप्रैल 2024

हैदराबाद (दक्षिण तेलंगाना), 8-9 अप्रैल 2024

RNI REGD. NO. RN. 45019/89 | POSTAL REGD. NO. HQ/SD/180/2024-2026 - HINDI | DATE OF PUBLICATION 22.04.2024
LICENSED TO POST WITHOUT PREPAYMENT - PMG/TS/HQR/SC-02/WPP/2024-2026
Return Requested: VISHWAVANI SAMARPAN
1-10-28/247, Anandapuram,
ECIL Post, Hyderabad-500062.

जो लोग आँसुओं के साथ बीज बोते हैं, उनके लिए आनन्द की कटनी निश्चित है।
यह उसके द्वारा है, जो इसे बढ़ाता है। हाल्लेल्यूयाह।

BAGHUAPAL, ODISHA - 15.03.2024

LOGILI, A.P. - 18.03.2024

PONUGODU, TELANGANA - 20.03.2024

ELUMETA, ODISHA - 23.03.2024

SAINDANIPADA, MAHARASHTRA - 23.03.2024

Y.SRIRAMAPURAM, A.P. - 24.03.2024

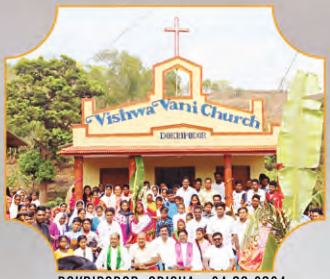

DOKRIPODOR, ODISHA - 24.03.2024

NAGAMMAGUDA, A.P. - 24.03.2024

GULTARE, MAHARASTHRA - 30.03.24

GADIPALLIVALASA, A.P. - 30.03.2024

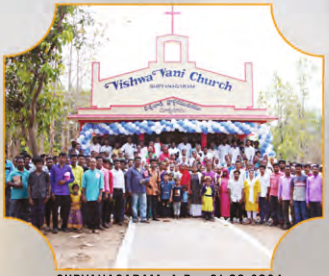

SURYANAGARAM, A.P. - 31.03.2024

TOTTADI, A.P. - 31.03.2024

VISHWA VANI SAMARPAN – HINDI LANGUAGE
Printed and Published by P. Selvaraj on behalf of VISHWA VANI, a registered society (Regn. No.17871 of 1987) and printed at CAXTON Offset Pvt. Ltd., 11-5-416/3, Red Hills, HYD-04. and published at 1-10-28/247, Anandapuram, ECIL Post, HYD-62. **POSTING DATE: 25.04.2024**. EDITOR: P. SELVARAJ